सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-6 • 01 NOVEMBER TO 07 NOVEMBER 2024 • VOLUME 15 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

सरदार पटेल के अमूल्य योगदान का राष्ट्रीय एकता दिवस सम्मान करता है : पीएम मोदी

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार वल्लभभाई पटेल को अर्पित की श्रद्धांजलि

• **जालंधर ब्रीज.** अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में हिस्सा लिया और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। मोदी ने एकता दिवस की शपथ भी दिलाई और राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर एकता दिवस परेड भी देखी। राष्ट्रीय एकता दिवस हर साल 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'सरदार साहब के ओजस्वी शब्द...स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास यह कार्यक्रम...एकता नगर का यह मनोरम दृश्य... यहां आयोजित अद्भुत प्रदर्शन...मिनी इंडिया की यह झलक...सब कुछ इतना अद्भुत है...यह प्रेरित करने वाला है।' प्रधानमंत्री ने सभी देशवासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 15 अगस्त और 26 जनवरी की तरह ही 31 अक्टूबर को यह आयोजन पूरे देश को नई ऊर्जा से भर देता है।

प्रधानमंत्री ने दीपावली के मौके पर देश और दुनिया में रहने वाले सभी भारतीयों को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस बार राष्ट्रीय एकता दिवस, दीपावली के साथ-साथ एकता के इस उत्सव को मनाने का अद्भुत संयोग लेकर आया है। उन्होंने कहा, 'दीपावली, दीपों के माध्यम से पूरे देश को जोड़ती है, पूरे देश को प्रकाशित करती है और अब दीपावली का उत्सव भारत को दुनिया से भी जोड़ रहा है।'

प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि इस वर्ष का एकता दिवस और भी विशेष है क्योंकि आज से सरदार पटेल की 150वीं जयंती का वर्ष शुरू हो रहा है। अगले 2 वर्षों तक देश सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाएगा। यह भारत के

लिए उनके असाधारण योगदान के प्रति देश की श्रद्धांजलि है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एकता नगर में एकता नर्सरी, हर महाद्वीप की वनस्पतियों वाला विश्व वन, देशभर के स्वस्थ खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देने वाला चिल्ड्रन न्यूट्रिशन पार्क, विभिन्न क्षेत्रों से आयुर्वेद को उजागर करने वाला आरोग्य वन और एकता मॉल है, जहां देश भर के हस्तशिल्प को एक साथ प्रदर्शित किया जाता है। प्रधानमंत्री ने दस वर्षों के सुशासन पर विचार करते हुए जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को समाप्त करने को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

पीएम के 'एक देश एक चुनाव' वाले बयान पर खड़गे बोले- ये नामुमकिन है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत अब देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' और 'एक राष्ट्र, एक नागरिक संहिता' को लागू करने की दिशा में काम कर रहा है। मोदी के इस बयान को लेकर राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी ने जो कहा है, वो ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि जब बात संसद में आएगी तो उन्हें सभी को विश्वास में लेना होगा, तभी ऐसा होगा। ये नामुमकिन है, 'वन नेशन वन इलेक्शन' नामुमकिन है। गुजरात के केवड़िया में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक पहचान पत्र', 'एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड' और 'एक राष्ट्र, एक स्वास्थ्य बीमा' की सफलता के बाद, सरकार अब 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' और 'एक राष्ट्र, एक धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता' शुरू करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

पीएम मोदी ने जारी रखी परंपरा, कच्छ में जवानों को मिठाई खिलाकर मनाई दिवाली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को गुजरात के कच्छ में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के साथ दिवाली मनाई। प्रधानमंत्री ने बीएसएफ की वर्दी में कच्छ में सर क्रीक क्षेत्र के लक्की नाला में सेना, नौसेना और वायु सेना के जवानों के बीच मिठाइयां बांटीं। 2014 में सत्ता में आने के बाद से पीएम मोदी ने देश के विभिन्न स्थानों पर सैन्य कर्मियों के साथ दिवाली मनाने की परंपरा बनाई है। हर साल, मोदी सैन्य सुविधाओं का दौरा करते हैं, जहां वह सैनिकों के साथ बातचीत करते हैं और त्योहार मनाते हैं। मोदी ने जवानों के साथ दिवाली मनाई, जबकि भारत और चीन के सैनिकों ने गुरुवार को इस अवसर पर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ कई सीमा बिंदुओं पर मिठाइयों का आदान-प्रदान किया। पूर्वी लद्दाख में डेमचोक और डेपसांग मैदानों में दो घर्षण बिंदुओं पर दोनों देशों द्वारा सेना की वापसी पूरी करने के एक दिन बाद पारंपरिक प्रथा देखी गई, जिससे चीन-भारत संबंधों में एक नई ठंडक आई।

अमेरिका के इतिहास में पहली बार राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ने उठाया हिंदुओं का मुद्दा

वाशिंगटन. अमेरिका में वोटिंग से ठीक पहले डोनाल्ड ट्रम्प ने बहुत बड़ा ऐलान कर दिया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने साफ कहा है कि हिंदुओं के लिए क्या करूँगा। ट्रम्प ने आरोप लगाया है कि जो बाइडेन और कमला हैरिस ने हिंदुओं की अनदेखी की है। इतिहास में पहली बार अमेरिका में राष्ट्रपति पद का कोई उम्मीदवार अमेरिका समेत पूरी दुनिया में हिंदुओं की सुरक्षा का मुद्दा उठा रहा है। कई लोग बोल रहे हैं कि डोनाल्ड ट्रम्प वोटर्स को लुभाने के लिए हिंदुओं पर बयान दे रहे हैं। यकीन ध्यान देनी वाली बात ये है कि ट्रम्प सिर्फ अमेरिकी हिन्दुओं का मुद्दा नहीं उठा रहे बल्कि बांग्लादेश समेत पूरी दुनिया के हिंदुओं की बातें कर रहे हैं।

अब डोनाल्ड ट्रम्प को बांग्लादेश के हिन्दू तो वोट डालने नहीं आएंगे लेकिन फिर भी डोनाल्ड ट्रम्प बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति को देख कर काफी चिंतित हैं। हैरानी की बात देखिए एक तरफ बोल रहे हैं कि वो अमेरिका से कट्टर मुस्लिम शरणार्थियों को निकाल देंगे ठीक उसी समय डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका में हिंदुओं की रक्षा करेंगे। डोनाल्ड ट्रम्प ने तो बांग्लादेश सरकार की धज्जियां उड़ा दी है। बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि वहां पूरी तरह अराजकता की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मेरे निगरानी में ऐसा कभी नहीं होता। कमला हैरिस और जो बाइडन ने दुनिया भर में तथा अमेरिका में हिंदुओं की अनदेखी की है। वे इजराइल से लेकर यूक्रेन और हमारी अपनी दक्षिणी सीमा तक तबाही मचा चुके हैं, लेकिन हम अमेरिका को फिर से मजबूत बनाएंगे और पूरी ताकत से शांति को वापस लाएंगे।

अंतरराज्यीय हथियार तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश; 12 अत्याधुनिक पिस्तौल सहित सात काबू

डीजीपी ने कहा- जांच में पता चलता है कि यह मॉड्यूल मध्य प्रदेश से हथियार प्राप्त कर विभिन्न गैंगों को लॉजिस्टिक सहायता प्रदान कर रहा था

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/अमृतसर

पंजाब को एक सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रहे अभियान के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने अमेरिका आधारित दिलप्रीत सिंह से जुड़े एक अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्करी मॉड्यूल के सात मुख्य सदस्यों को गिरफ्तार कर इस मॉड्यूल को खत्म किया है और उनके कब्जे से 12 पिस्तौल, 16 मैगज़ीन और 23 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने आज यहां बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान करनजीत सिंह उर्फ धनी, जशनदीप सिंह उर्फ माया उर्फ छिल्लर, इश्मीत सिंह उर्फ रिशु, अमृतपाल सिंह उर्फ सपरा और दिलप्रीत सिंह उर्फ दिल, सभी छेहरटा, जिला अमृतसर के निवासी हैं, और वरिंदर सिंह उर्फ रवि तथा गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी निवासी बाबा बकाला साहिब, अमृतसर के रूप में की गई है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह मॉड्यूल मध्य प्रदेश से हथियार मंगाकर विभिन्न गिरोहों को मुहैया करा रहा था। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी करनजीत धनी ने अपने भाई जशनदीप सिंह और इश्मीत के साथ मिलकर अमेरिका-आधारित दिलप्रीत सिंह के निर्देश पर मध्य प्रदेश से हथियारों की खेप गिरोह के सदस्यों तक पहुंचाने के लिए लाई थी।

डीजीपी ने कहा कि मॉड्यूल में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है। इस ऑपरेशन के बारे में अन्य जानकारी साझा करते हुए पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि सूचना मिली थी कि मध्य प्रदेश से अवैध हथियारों की तस्करी कर राज्य में अपराधी तत्वों को सप्लाई किए जा रहे हैं। इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए इस्लामाबाद थाना और सीआईए-2 डीसीपी इंवेस्टिगेशन हरप्रीत सिंह मंडेर की देखरेख में विशेष अभियान चलाकर छेहरटा और बाबा बकाला के इलाकों से आरोपियों को काबू कर लिया गया।

इस संबंध में एफआईआर नंबर 234, दिनांक 29.10.2024 को अमृतसर के थाना इस्लामाबाद में असला एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत केस दर्ज किया गया है।

छठ पर दिल्ली में रहेगी सार्वजनिक छुट्टी

नई दिल्ली. दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने राष्ट्रीय राजधानी में छठ पूजा की छुट्टी के संबंध में मुख्य सचिव को पत्र लिखा। आतिशी ने कहा कि छठ पूजा दिल्ली -एनसीआर के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने 7 नवंबर 2024 को छठ पूजा के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया है। यह घोषणा दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर 7 नवंबर को छुट्टी घोषित करने का अनुरोध करने के कुछ घंटों बाद आई। यह

त्योहार सूर्य देवता की पूजा को समर्पित है और इसे चार दिनों तक चलने वाली कठोर दिनचर्या का पालन करते हुए लोगों द्वारा मनाया जाता है। इस त्योहार के अनुष्ठानों और परंपराओं में उपवास, उगते और डूबते सूर्य को अर्घ्य देना, पवित्र स्नान और पानी में खड़े होकर ध्यान करना शामिल है।

लुधियाना नगर निगम कर्मचारी रिश्वत लेते काबू

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ अपने अभियान के तहत लुधियाना नगर निगम में तैनात डेटा एंट्री ऑपरेटर गुरदीप सिंह उर्फ सनी को 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ब्यूरो के एक आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार, इस आरोपी की यह गिरफ्तारी जीटीबी नगर, लुधियाना के निवासी अमनदीप सिंह चंडोक द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई, जो हाल ही में ग्राम पंचायत शांति विहार, भामियां कलां से सरपंच पद के उम्मीदवार थे।

विजीलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि टीम ने शिकायतकर्ता से 10,000 रुपये रिश्वत लेते समय दो आधिकारिक गवाहों की उपस्थिति में गुरदीप सिंह को सफलतापूर्वक पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ ब्यूरो के पुलिस थाना लुधियाना रेंज में भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया गया है और इस मुकदमे की आगे की जांच जारी है।

'नई चेतना 3.0 अभियान' के प्रति समर्थन बढ़ाने हेतु ग्रामीण विकास सचिव की अध्यक्षता में हुई अंतर-मंत्रालयी बैठक

लिंग आधारित हिंसा के विरुद्ध जागरूकता अभियान 25 नवंबर से

'नई चेतना 2.0' में 31 राज्यों और केन्द्र-शासित प्रदेशों के 5.5 करोड़ प्रतिभागी हुए थे शामिल

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली/चंडीगढ़

ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) ने 'नयी चेतना 3.0' - जो लिंग-आधारित हिंसा के विरुद्ध इसके राष्ट्रीय अभियान का तीसरा संस्करण है - के लिए रणनीतिक रोडमैप की रूपरेखा तैयार करने हेतु कल एक अंतर-मंत्रालयी बैठक बुलाई। ग्रामीण विकास सचिव शैलेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में, इस बैठक में देश भर में लिंग आधारित हिंसा के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने और प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने से संबंधित सहयोग एवं कार्य योजनाओं पर

चर्चा करने हेतु सात मंत्रालयों के प्रतिनिधि एक साथ आए।

इस बैठक की शुरुआत ग्रामीण विकास विभाग की संयुक्त सचिव स्मृति शरण ने नई चेतना अभियान के पिछले संस्करणों के प्रमुख निष्कर्षों को प्रस्तुत करके की। इन निष्कर्षों में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इसके बाद, 'नई चेतना-3.0' के लक्ष्यों और संरचना से संबंधित एक अवलोकन प्रस्तुत किया गया। एक महीने तक चलने वाले इस अभियान का शुभारंभ 25 नवंबर, 2024 को किया जायेगा और यह 23 दिसंबर, 2024 तक देश के सभी राज्यों और केन्द्र- शासित प्रदेशों में चलाया जायेगा। जन आंदोलन की भावना से लैस इस पहल का नेतृत्व डीएवाई-एनआरएलएम के स्वयं-सहायता समूह (एसएचजी) नेटवर्क द्वारा किया जाएगा।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय, युवा कार्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय और न्याय विभाग सहित विभिन्न संबंधित मंत्रालयों की भागीदारी हुई।

बैठक में चर्चाएं निवारक प्रयासों को मजबूत करने, समर्थन प्रणालियों की सुलभता को बेहतर बनाने और इस अभियान के उद्देश्यों को साकार करने के लिए प्रत्येक मंत्रालय की विशेषज्ञता का लाभ उठाने हेतु समन्वय को बढ़ावा देने पर केन्द्रित थीं। प्रत्येक मंत्रालय की भूमिका को रेखांकित करने वाली एक संयुक्त परामर्श के मसौदे पर चर्चा व समीक्षा की गई। चर्चा के दौरान प्राथमिकता दी जा सकने वाली हिंसा के विभिन्न रूपों और इन बाधाओं को दूर करने हेतु उठाए जा सकने वाले कदमों पर प्रकाश डाला गया।

अपने संबोधन में ग्रामीण विकास विभाग के अतिरिक्त सचिव चरणजीत सिंह ने बैठक के दौरान दिए गए सुझावों की सराहना की और इस अभियान को मिशन मोड में चलाने के लिए दिए गए परामर्श को औपचारिक बनाने का आह्वान किया।

अपने समापन भाषण में शैलेश कुमार सिंह ने व्यापक सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने और लिंग आधारित हिंसा से निपटने हेतु विभिन्न मंत्रालयों के एकजुट एवं समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया।

'नई चेतना' अभियान का उद्देश्य जमीनी स्तर पर विभिन्न पहलों के माध्यम से लिंग आधारित हिंसा से निपटने हेतु जागरूकता बढ़ाना और सूचित कार्रवाई करना है। अपनी शुरुआत के बाद से 'नई चेतना' ने लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा आंदोलन खड़ा करते हुए देश भर में लाखों लोगों को एकजुट किया है। अपने पहले वर्ष में, विभिन्न मंत्रालयों के समर्थन से यह अभियान जहां 3.5 करोड़ लोगों तक पहुंचा, वहीं इसके दूसरे संस्करण, 'नई चेतना 2.0' में 31 राज्यों और केन्द्र-शासित प्रदेशों के 5.5 करोड़ प्रतिभागी शामिल हुए। इसमें देशव्यापी स्तर पर लिंग आधारित हिंसा के विरुद्ध 9 लाख से अधिक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं।

घुमक्कड़ लोगों को एक बार जरूर जाना चाहिए गोवा, दोस्तों संग घूमने का अलग है मजा

AVOID ETIQUETTE MISTAKES

अगर आप घूमना-फिरना और नई जगहों को एक्सप्लोर करना पसंद करते हैं तो एक बार दोस्तों के साथ गोवा जरूर जाएं। यहां देखिए आखिर क्या है इस जगह में खास...

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

नई जगहों पर घूमना-फिरना, अलग-अलग चीजों का स्वाद चखना और नई जगहों से शॉपिंग करना घुमक्कड़ों को खूब पसंद आता है। अगर आपको भी घूमना-फिरना पसंद है तो आपको एक बार गोवा घूमने जाना चाहिए। ये जगह अपने सुंदर बीच और बीच के किनारे, मार्केट और शानदार नाइटलाइफ के लिए जानी जाती है। अगर आपके दोस्त भी आपकी तरह घूमना फिरना पसंद करते हैं तो आप उनके साथ गोवा घूमने का प्लान बना सकता है। यहां जानिए क्या है गोवा में खास-

वाटर स्पोर्ट्स का लें मजा

अगर आप सही महीने में गोवा जाते हैं तो यहां के वाटर स्पोर्ट्स का मजा जरूर लें। यहां पर होने वाली एक्टिविटीज हमेशा पर्यटकों और एडवेंचर लवर्स को सबसे ज्यादा आकर्षित करती हैं। यहां आप काइट सर्फिंग, बनाना राइड्स, स्नोर्केलिंग, पैरासेलिंग और पैराग्लाइडिंग, स्कूबा डाइविंग और कई मजेदार एक्टिविटीज का मजा ले सकते हैं। जब भी यहां पर दोस्तों के साथ जाएं तो इनमें से किसी एक एक्टिविटी का मजा जरूर लें।

एंजॉय करें गोवा की नाइट लाइफ

नाइटलाइफ के लिए गोवा को परफेक्ट माना जाता है। यहां कई ऐसे बीचेस हैं, जहां रोज शाम को डीजे पार्टी होती है और विदेशियों की भी खूब भीड़ होती है। यहां पर अधिकतर जगहों पर पार्टी के लिए एंट्री रात 10 बजे के बाद होती है। यहां की कुछ फेमस जगहों पर जाकर बेहतरीन नाइटलाइफ को जरूर एंजॉय करें।

गोवा की मार्केट करें एक्सप्लोर

गोवा की मार्केट बाकी जगहों की मार्केट से थोड़ी अलग है। यहां पर आपको काफी सारी एंटीक चीजें आसानी से मिल जाएगी। इसके अलावा अगर आप व्हाइट ड्रेस खरीदना चाहते हैं तो इसकी भी आपको खूब वैरायटी मिल जाएगी। इसके अलावा जूट पर्स के भी आपको कई ऑप्शन यहां पर मिल जाएंगे।

खाने का चखें स्वाद

अगर आपको नॉन वेजिटेरियन खाना पसंद है तो इस जगह के खाने को चखने से आप चूक नहीं सकते हैं। यहां पर आपको नॉन वेज की अलग-अलग वैरायटी मिल जाएगी। फिश ये बनी आइटम्स गोवा में लोग खाना खूब पसंद करते हैं।

WORK FROM HOME

मेंटल हेल्थ के लिए वर्क फ्राम होम नहीं ऑफिस जाकर काम करना है ज्यादा अच्छा, स्टडी में हुआ खुलासा

वर्क फ्राम होम या वर्क फ्राम ऑफिस को लेकर छिड़ी बहस के बीच स्टडी सामने आई है। जिसमे बताया गया है कि कैसे ऑफिस में सहयोगियों के साथ बैठकर काम करना मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

अगर प्रोफेशनल लाइफ को अच्छा और सुकूनभरा बनाना चाहते हैं तो अपने कलीग्स के साथ बैठकर बात करना और काम करना ज्यादा अच्छा है। ये बातें हम नहीं बोल रहे बल्कि ग्लोबल स्टडी में इस बात का दावा किया गया है। वर्क फ्राम ऑफिस मेंटल हेल्थ के लिए वर्क फ्राम होम की तुलना में ज्यादा अच्छा है। स्टडी के मुताबिक कलीग्स के साथ अच्छे रिलेशन मेंटल हेल्थ को बेहतर करते हैं।

क्या कहती है रिपोर्ट

ग्लोबली हुई इस स्टडी में पाया गया कि भारत में ऑफिस में काम करने वाले लोगों के मेंटल हेल्थ उन लोगों की तुलना में ज्यादा अच्छे हैं जो घर से या हाइब्रिड माहौल में काम कर रहे हैं। बल्कि अमेरिका और यूरोप के देशों में ठीक इसका उल्टा है। वहां हाइब्रिड ऑफिस में काम कर रहें लोगों की मेंटल हेल्थ ग्रोथ ज्यादा अच्छी पाई गई है।

बता दें कि इस स्टडी को वर्क कल्चर एंड मेंटल वेलबींग अमेरिका में बने साइपियंस लैब में की गई है। जिसमे 65 देशों के 54,831 नौकरीशुदा लोग जो इंटरनेट के जरिए आंसर दिए हैं। उनके डाटा को स्टडी में इस्तेमाल किया गया है।

वर्क लोड और खराब रिलेशन है सबसे बड़ा कारण

हाल ही में पुणे में 26 साल की चार्टर्ड अकाउंटेंट की मौत के बाद ये बहस शुरू हुई। जिसमे इंडिया में हाई वर्कलोड, स्ट्रेस और टॉक्सिक वर्कप्लेस एनवायरमेंट को जिम्मेदार माना गया। वहीं कलीग्स के बीच तनाव एक मेन वजह होती है, जो मेंटल हेल्थ पर असर डालती है। लेकिन वर्क लाइफ को बैलेंस करने वाले फैक्टर में ये फैक्टर बाकी पैरामीटर की तुलना में आधा ही काम करता है।

मेंटल हेल्थ पर क्या चीजें डालती हैं असर

अपने सहकर्मियों यानी कलीग्स के साथ रिलेशनशिप, काम के प्रति गर्व महसूस करना जो आप कर रहे हैं ये सारी चीजें मेंटल हेल्थ पर ज्यादा असर डालती हैं। अगर आपके सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध नहीं हैं और आप जिस काम को कर रहे हैं उसको लेकर गर्व की भावना मन में नही है तो ये दुख, अकेलापन जैसी फीलिंग को बढ़ाते हैं।

अगर काम के प्रति मन में असंतोष है और काम करने की इच्छा नही हैं तो ये एनर्जी लेवल को कम करती है और मोटिवेशन भी नहीं देती। भारत में कलीग्स के साथ बुरा संबंध मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर डालता है। वहीं दूसरे देशों में टीम के साथ काम करना बेहतर मेंटल हेल्थ की तरफ इशारा कर रहा है बजाय अकेले काम करने के। भारत में टीम का साइज बढ़ने से मानसिक स्वास्थ्य पर असर बढ़ता जाता है जबकि दूसरे देशों में ठीक इसका उल्टा है।

वर्क लोड का कितना है असर

काम का बोझ मेंटल हेल्थ के लिए बड़ा कारण होता है। लेकिन स्टडी के मुताबिक भारत में काम के बोझ को असहनीय बताने वाले 13 प्रतिशत है तो वहीं ग्लोबल एवरेज 16 प्रतिशत का है।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

क्या देसी घी भी कभी होता है एक्सपायर? जानिए इसे लंबे समय तक स्टोर करने का सही तरीका

आप हम देसी घी से जुड़ी कुछ बेसिक चीजों पर बात करेंगे। जैसी कि क्या देशी घी कभी एस्पायर होता है? अगर हां तो इसे कब तक स्टोर करना सेफ है और इसे स्टोर करने का सही तरीका क्या होना चाहिए।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

देसी घी इंडियन किचन की जान होता है। स्वाद और सेहत से भरपूर देसी घी का तड़का जब किसी डिश में लगाया जाता है तो खाने का स्वाद तो बढ़ता ही है, साथ में पूरे घर में इसकी भीनी-भीनी महक भी फैल जाती है। पूजा-पाठ हो या कोई घरेलू नुस्खा हर जगह इसका इस्तेमाल किया जाता है। अब जब देसी घी इतना ही खास है, तो जाहिर सी बात है ये हर घर में जरूर पाया जाती है। कुछ लोग तो अपने घर में देसी घी का ढेर सारा स्टॉक जमा कर के रखते हैं। लेकिन क्या देसी घी को ज्यादा दिनों तक स्टोर कर के रखना सही है या इसकी भी एक एक्सपायरी डेट होती है? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब अधिकतर लोग नहीं जानते और कन्फ्यूजन बनी रहती है।

क्या देसी घी भी हो जाता है खराब?

अक्सर लोगों के मन में यह सवाल जरूर रहता है कि क्या देसी घी भी खराब होता है। तो इसका जवाब है जी हां, बाकी चीजों की तरह देसी घी भी खराब होता है। जब ये खराब होने लगता है तो इसकी महक बदलने लगती है और इसके स्वाद में भी कड़वापन आने लगता है। अब कुछ लोगों के मन में यह सवाल होगा कि इसे कितने दिनों तक स्टोर करके रखा जा सकता है। तो इसका आसान सा जवाब है कि जब आप बाजार से घी का डब्बा खरीद कर लाते हैं, तो उसपर एक्सपायरी डेट और यूज करने की सही टाइम लिमिट लिखी होती है। ऐसे में उसे तभी तक इस्तेमाल कर लेना ही बेस्ट होता है।

वहीं अगर आप घर पर ही देसी घी बनाना प्रिफर करते हैं तो ये उसे स्टोर करने के तरीके पर डिपेंड करता है कि ये कितने दिनों तक सही रहेगा। जहां नॉर्मल रूम टेंपरेचर पर ये सिर्फ 3 महीने में ही खराब होने लगता है, वही अगर इसे अच्छे से स्टोर करके रखा जाए तो ये 3 साल तक भी खराब नहीं होता। तो चलिए जानते हैं कि देसी घी को स्टोर करने का सही तरीका क्या होना चाहिए।

जानें देसी घी को स्टोर करने का सही तरीका

देसी घी को लंबे समय तक फ्रेश बनाए रख सकते हैं, बस इसे स्टोर करने का सही तरीका आना चाहिए। देसी घी को हमेशा एयर टाइट कंटेनर में बंद कर के रखना चाहिए। इससे हवा में मौजूद गंदगी इसमें नहीं जा पाती, जिससे ये जल्दी खराब भी नहीं होता। अगर पॉसिबल हो तो देसी घी को हमेशा कांच के कंटेनर में स्टोर करना चाहिए। अगर इसे फ्रिज में रखा जाए तो 2-3 साल तक भी ये खराब नहीं होता है। इसके अलावा अगर घी के टेस्ट में थोड़ा सा भी चेंज दिखने लगे तो इसे एक बार फिर से गर्म कर लें और ठंडा होने पर स्टोर कर दें। इस तरह से आप कई सालों तक देसी घी को तरोताजा बनाए रख सकते हैं।

Parenting

मौसम बदलते ही बंद नाक की समस्या से परेशान हो गया है बच्चा, राहत देंगे ये घरेलू नुस्खे

जालंधर ब्रीज (फीचर) . कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बदलते मौसम का सबसे पहला असर छोटे बच्चों की सेहत पर पड़ता है। मौसम में हल्की ठंड बढ़ते ही बच्चे सबसे पहले सर्दी-जुकाम और बंद नाक की समस्या से परेशान होने लगते हैं। बता दें, सर्दी-जुकाम और बंद नाक की समस्या बच्चों को नाक के अंदर की परत के ऊतकों में सूजन आने और बलगम भर जाने की वजह से होती है। हालांकि इस समस्या के पीछे कई कारण छिपे हो सकते हैं, जिसमें पहला सर्दी या फ़्लू जैसे वायरस, नाक के रास्ते शरीर में प्रवेश करते हैं और नाक के मार्ग की परत में गुणा होते हैं और दूसरा धूल, पराग, पालतू जानवरों की रूसी जैसी चीजों से पैदा हुई एलर्जी की वजह से नाक के ऊतकों में सूजन आ जाती है। नाक बंद होने की वजह से बच्चे बहुत परेशान हो जाते हैं। अगर आपके घर पर भी बच्चे अकसर मौसम बदलने पर बंद नाक की समस्या से परेशान रहते हैं तो ये देसी उपाय आपकी समस्या में राहत देने का काम कर सकते हैं।

बंद नाक की समस्या से राहत देंगे ये घरेलू उपाय

- **स्टीम :** बच्चे की नाक बंद होने पर आप उसे भाप दिलवा सकती हैं। भाप लेने से बंद नाक खुल सकत है। इस उपाय को करने के लिए एक बर्तन में गर्म पानी लेकर बच्चे को उससे हल्की भाप दिलवाएं।
- **हाइड्रेशन :** बच्चे को बंद नाक की जकड़न से छुटकारा दिलाने के लिए उसकी बॉडी को हाइड्रेटेड रखें। इसके लिए बच्चों को पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, जैसे पानी, सूप, या गर्म पेय पीने के लिए दें।
- **अदरक का पानी :** अदरक को एक गिलास पानी में घिसकर उबाल लें। हल्का गुनगुना होने पर इस पानी को दो से तीन बार में घूंट-घूंट कर बच्चे को पिलाएं।
- **गर्म तौलिया :** गर्म पानी में एक तौलिए भिगोकर उसे हल्का निचोड़कर बच्चे की नाक पर रखें। गर्म तौलिए की गर्माहट नाक के अंदर बलगम को ढीला करने में मदद करती है।
- **सलाइन स्प्रे :** बाजार में मिलने वाले सलाइन स्प्रे की कुछ बूंदें बंद नाक में डालने से भी नाक में जमे हुए बलगम को ढीला करने में मदद मिलती है। जिससे बच्चे को सांस लेने में आसानी होने लगती है। इस स्प्रे का यूज थोड़ी-थोड़ी देर में हर 3-4 घंटों में करें।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

बीपी को कंट्रोल करके दिल की सेहत का रखती है ख्याल जुकीनी

HEALTH

रोजमर्रा की कुछ खराब आदतें शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल की वजह बनकर हार्ट संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ाती हैं। जिससे बचने के लिए डॉक्टर हेल्दी लाइफस्टाइल के साथ डाइट में हरी सब्जियों को भी शामिल करने की...

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल, खानपान की खराब आदतें और वर्कआउट की कमी, आजकल ज्यादातर लोगों के लिए दिल से जुड़ी समस्याओं का कारण बन रही हैं। ये सभी आदतें शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल की वजह बनकर हार्ट संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ाती हैं। जिससे बचने के लिए डॉक्टर हेल्दी लाइफस्टाइल के साथ डाइट में हरी सब्जियों को भी शामिल करने की सलाह देते हैं। सेहत के लिए फायदेमंद ऐसी ही एक सब्जी का नाम जुकीनी है। फाइबर और न्यूट्रिशंस से भरपूर जुकीनी कैल्शियम, आयरन, जिंक, विटामिन सी, विटामिन के, विटामिन बी 6, मैंगनीज, मैग्नीशियम और पोटेशियम से भी भरपूर है। खीरे या तोरई जैसी दिखने वाली इस सब्जी को खाने से सेहत को कई गजब के फायदे मिलते हैं।

जुकिनी खाने के जबरदस्त फायदे

बॉडी को रखें हाइड्रेट

जुकिनी में 80 से 90 प्रतिशत तक पानी मौजूद होने की वजह से यह सब्जी शरीर में पानी का स्तर बनाए रखने में मदद करती है। जिससे बॉडी हाइड्रेट बनी रहती है।

आंखों की सेहत

जुकिनी का सेवन आंखों की सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। जुकिनी में बीटा कैरोटिन की मौजूदगी के साथ विटमिन-ए की भरपूर मात्रा आंखों की रोशनी को अच्छा बनाए रखने में मदद कर सकती है। इसके अलावा जुकिनी में ल्यूटिन और जेक्सांथिन नामक एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जो रेटिना को हेल्दी बनाता है।

हड्डियां बनाए रखे मजबूत

बढ़ती उम्र में अकसर हड्डियां कमजोर होने की वजह से बदन दर्द रहने के साथ रोजमर्रा के काम करने में भी परेशानी आने लगती है। ऐसे में जुकिनी में मौजूद ऐंटिऑक्सीडेंट्स, मैग्नीशियम और विटमिन-के हड्डियों को मजबूत बनाकर मांसपेशियों को कमजोर होने से रोकते हैं।

मोटापा रखें कंट्रोल

हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद जुकिनी में कैलोरी की मात्रा कम और फाइबर की मात्रा अच्छी होने की वजह से यह मोटापा कंट्रोल करने में भी मदद करती है। इसमें मौजूद फाइबर बार-बार खाने की क्रेविंग को कंट्रोल करके वेट लॉस में मदद करता है।

बीपी रखें कंट्रोल

हाई बीपी को हार्ट डिजीज का मुख्य कारण माना जाता है। लेकिन जुकिनी में मौजूद पोटेशियम ब्लड प्रेशर को प्राकृतिक रूप से कंट्रोल करने में मदद करता है। इस सब्जी में मौजूद पोटेशियम एक वैसोडिलेटर के रूप में कार्य करके रक्त वाहिकाओं को आराम देता है। जिससे दिल पर पड़ने वाला तनाव कम होता है।

कोलेस्ट्रॉल रखें कंट्रोल

जुकिनी का सेवन कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करने में भी मदद करता है। इसमें मौजूद हाई सॉल्यूबल फाइबर कॉलेस्ट्रॉल के बढ़ते स्तर को नियंत्रित करके दिल की सेहत को अच्छा बनाए रखने में मदद करते हैं।

नोट : *इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।*

एयरबस-टीएएसएल साझेदारी - प्रेरणा की किरण

रक्षा मंत्रालय ने सितंबर 2021 में भारतीय वायुसेना के पुराने हो चुके एवरो बेड़े के प्रतिस्थापन के रूप में 56 सी-295 परिवहन विमानों की खरीद के लिए 21,935 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के साथ हुए इस समझौते में पहले 16 विमानों की डिलीवरी शामिल थी, जिन्हें स्पेन के सेविले में असेंबली लाइन में निर्मित और सौंपा जाना था, जबकि उसके बाद के 40 विमानों का निर्माण और संयोजन भारत और स्पेन के बीच औद्योगिक साझेदारी के तहत भारत में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) द्वारा किया जाना था। भारत में परिवहन विमानों के निर्माण के लिए यह इस तरह का पहला सहयोग समझौता था। गुजरात के वडोदरा में टीएएसएल फाइनल असेंबली लाइन सुविधा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 30 अक्टूबर 2022 को आधारशिला रखी थी। उड़ान भरने के लिए तैयार पहला विमान 13 सितंबर 2023 को स्पेन के सेविले में तत्कालीन वायु सेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी को सौंपा गया था। 25 सितंबर 2023 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा एयर फोर्स स्टेशन हिंडन में औपचारिक रूप से इसे आईएएफ में शामिल किया गया। वडोदरा स्थित आईएएफ का 11 स्क्वाड्रन पहले से ही छह सी-295 विमानों उड़ा रहा है। 11 स्क्वाड्रन 'राइनोज़' के नाम से भी जाना जाता है।

सी-295 एक बहु-उपयोगी सैन्य परिवहन विमान है जिसका परखा हुआ रिकॉर्ड है। इसकी 9.5 टन पेलोड और 70 यात्रियों या 49 पैराट्रूपर्स को ले जाने की क्षमता वायु सेना की क्षमता काफी बढ़ाएगी। एयरबस सी-295 में कई तरह की विशेषताएं हैं, जो सैन्य परिवहन, हवाई रसद, पैराट्रूपिंग, चिकित्सा के सुरक्षित निकलने, खोज और बचाव, समुद्री गश्त, पनडुब्बीरोधी युद्ध, पर्यावरण निगरानी, सीमा निगरानी, जल बमवर्षक और हवाई प्रारंभिक चेतावनी सहित कई तरह के मिशनों में काम आ सकती हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने 28 अक्टूबर 2024 को वडोदरा में टीएएसएल विनिर्माण सुविधा का उद्घाटन किया। भारत में पहली निजी सैन्य विमान विनिर्माण सुविधा के रूप में पहले 'मेक इन इंडिया' सी-295 विमान की सुपुर्दगी सितंबर 2026 में शुरू होने वाली है, जिसमें अंतिम विमान अगस्त 2031 तक भारत को मिलने की उम्मीद है। यह परियोजना भारत में एयरोस्पेस परितंत्र को विशेष प्रोत्साहन देगी, जिसमें देश भर में फैले कई सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई)

जालंधर ब्रीज

अनिल गोलानी
एयर वाइस मार्शल
(सेवानिवृत्त)

विमान के पुर्जों के निर्माण में शामिल होंगे। एयरबस द्वारा कुल 33 एमएसएमई की पहचान पहले ही की जा चुकी है। हैदराबाद में मुख्य इकाई सुविधा केन्द्र में विमान के घटकों का उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड द्वारा प्रदान किए गए इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) सिस्टम को पहले ही विमान में संयोजित किये जा चुके हैं। हालांकि अनुबंध को अंतिम रूप देने में देरी के कारण इन्हें उन्नत बनाने की आवश्यकता होगी और स्वदेशी इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों के महत्व पर अधिक जोर नहीं दिया जा सकता है।

रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार यह कार्यक्रम एयरोस्पेस संदर्भ में रोजगार सृजन में उत्प्रेरक की तरह काम करेगा, जिससे भारत में एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में 42.5 लाख से अधिक मानव घंटों के साथ 600 उच्च कुशल नौकरियों के अवसर सीधे

3000 से अधिक अप्रत्यक्ष नौकरियों और अतिरिक्त 3000 मध्यम स्तर कौशल रोजगार के अवसर पैदा होंगे। एयरोइंजन और एवियोनिक्स के अलावा, जिन्हें एयरबस अन्य ओईएम से प्राप्त करता है, अन्य संरचनात्मक हिस्से ज्यादातर भारत में बनाए जाएंगे। एक विमान में इस्तेमाल होने वाले 14000 पुर्जों में से 13000 कच्चे माल से भारत में ही बनाए जाएंगे। हालांकि असली परीक्षा टीएएसएल द्वारा 40 विमानों के समय से निर्माण पर होगी। अब तक अधिकांश गतिविधियाँ एयरबस द्वारा संचालित की जा रही हैं, जबकि टीएएसएल केवल क्रियान्वयन कर रहा है। भारतीय एयरोस्पेस इकोसिस्टम के फलने-फूलने और समृद्ध होने के लिए स्थानीय उत्पादन, वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीएक्यूए) के माध्यम से गुणवत्ता नियंत्रण और सैन्य उड्डयन योग्यता एवं प्रमाणन केन्द्र (सीईएमआईएलएसी) द्वारा भविष्य के प्रमाणन और स्वदेशी परीक्षण और मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

पिछले दस वर्षों में भारत सरकार के सतत प्रयासों से रक्षा क्षेत्र में भारी वृद्धि हुई है। यह रक्षा उत्पादन के आंकड़ों में परिलक्षित होता है जो 43726 करोड़ रुपये से बढ़कर 127265 करोड़ रुपये हो गया है, जिसमें से लगभग 21 प्रतिशत का योगदान निजी क्षेत्र का है। रक्षा निर्यात जो दस साल पहले 1000 करोड़ रुपये से कम था, पिछले साल बढ़कर 21000 करोड़ से अधिक हो गया है। कुछ नीतिगत सुधारों ने देश को इन आंकड़ों को हासिल करने में मदद की है, जिसमें पूंजीगत उपकरणों की खरीद के लिए रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया - 2020 में स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित (आईडीडीएम) श्रेणी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। चालू वित्त वर्ष में आधुनिकीकरण बजट का पचहत्तर प्रतिशत घरेलू उद्योगों के माध्यम से खरीद के लिए निर्धारित किया गया है। सरकार द्वारा की गई विभिन्न अन्य पहल में संयुक्त कार्रवाई (एसआरआईजेएएन) पोर्टल के माध्यम से आत्मनिर्भर पहल का शुभारंभ, सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची (पीआईएल) का शुभारंभ, रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स) उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में सितंबर 2024 तक 50083 करोड़ रुपये के संभावित निवेश के साथ रक्षा औद्योगिक गलियारों की स्थापना शामिल है। हालांकि रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा परियोजनाओं की त्वरित मंजूरी और उसके बाद अनुबंध वार्ता के लिए बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है क्योंकि मई 2013 में प्रस्ताव के अनुरोध (आरएफपी) जारी होने के बाद रक्षा मंत्रालय को एयरबस के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर करने में लगभग छह साल लगे। भारत में सी-295 सैन्य परिवहन विमान के संयुक्त निर्माण के लिए एयरबस-टीएएसएल साझेदारी भारत में अब तक कम विकसित विमानन परितंत्र के लिए आशा और प्रेरणा की किरण के रूप में कार्य करती रही है, हालांकि यह देखा जाना बाकी है कि क्या टीएएसएल इस विमान के संस्करणों का विस्तार करेगा क्योंकि एक नागरिक प्रमाणित संस्करण भी उपलब्ध है। इस सहयोग की पूरी क्षमता का लाभ लेने के लिए भारत में उत्पादन और भविष्य के निर्यात पर ध्यान देने की आवश्यकता है। भले ही आत्मनिर्भरता के लिए आगे की यात्रा कठिन हो, लेकिन एयरबस और टीएएसएल की इस साझेदारी से शुरुआत हो गई है और अब टीएएसएल द्वारा 40 विमानों का समय पर निर्माण करके अपने वादों को पूरा करने की आवश्यकता है। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत का अनुभव भारतीय वायुसेना की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाया है और यदि इसमें सफलता मिली तो यह देश में निजी क्षेत्र के लिए आगे की भागीदारी का अग्रदूत हो सकता है। इसके सहयोग के बिना हमारा देश 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार नहीं कर पाएगा।

चौथी गोरखा राइफल्स ने वीरता और सौहार्द को समर्पित रेजिमेंटल पुनर्मिलन का आयोजन किया

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

भारतीय सेना की सबसे प्रतिष्ठित रेजिमेंट्स में से एक, चौथी गोरखा राइफल्स (4 जीआर) ने 26-27 अक्तूबर, 2024 को हिमाचल प्रदेश के सुबाथू में अपना रेजिमेंटल पुनर्मिलन आयोजित किया। यह अवसर वीरता, बलिदान और सौहार्द से भरे 167 वर्षों की विरासत का जश्न मनाने के उपलक्ष्य में था।

भारत और नेपाल से आए वेटरन्स और उनके परिवारों ने इस पुनर्मिलन समारोह में भाग लेकर पुराने संबंधों और स्मृतियों को पुनर्जीवित किया। रीयूनियन में रेजिमेंट की एकजुटता की पुष्टि करते हुए 500 से अधिक सेवारत अधिकारी, वेटरन्स और परिवारों ने भाग लिया।

रीयूनियन समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल मोहित वाधवा, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ, वेस्टर्न कमांड ने भी भाग लिया। उन्होंने सभी रैंकों को चौथी गोरखा राइफल्स के गौरवशाली इतिहास को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर चौथी गोरखा राइफल्स के कर्नल मेजर जनरल बलबीर सिंह ने कहा कि चौथी गोरखा राइफल्स का एक समृद्ध इतिहास है, जिसमें उन्होंने स्वतंत्रता से पहले और बाद में कई महत्वपूर्ण लड़ाइयों और अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । उन्होंने कहा इस पुनर्मिलन समारोह ने 4थी रेजिमेंट के स्वर्णिम अतीत के अनुभवी वेटरन्स तथा भविष्य के गौरवशाली शूरवीरों

को एक साझा मंच प्रदान किया है।

पुनर्मिलन समारोह के दौरान युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि का कार्यक्रम, बड़ाखाना, गोरखा राइफल्स की समृद्ध परंपराओं का प्रदर्शन करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे। इसके अलावा सैनिक सम्मेलन के साथ साथ मूर्तियों,वार्षिकी और स्मारिका का अनावरण भी किया गया।

भारत के टीकाकरण कार्यक्रम को अत्याधुनिक डिजिटल बढ़ावा

बीमारियों को रोकने में टीकों की भूमिका वर्ष 1796 से ही अहम साबित होती आ रही है, जब जानलेवा बीमारी चेचक के विरुद्ध पहला टीकाकरण किया गया था। पिछले 50 सालों में ही टीकों से वैश्विक स्तर पर 15 करोड़ से अधिक लोगों की जानें बचाई गई हैं, जो प्रत्येक वर्ष प्रति मिनट 6 लोगों की जान बचाने के बराबर है। जीवन रक्षा भारत के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) का एक प्रमुख अभियान है। प्रत्येक वर्ष 2.6 करोड़ से ज़्यादा नवजात शिशुओं को यूआईपी के तहत खसरा, डिप्थीरिया, पोलियो आदि 12 रोकथाम योग्य बीमारियों के विरुद्ध टीके लगाए जाते हैं। ये रोग जीवन के लिए ख़तरा हो सकते हैं या बच्चे के स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकते हैं। यद्यपि, यह कार्यक्रम वर्ष 1985 में शुरू हुआ था, लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसका अधिक तेजी से विस्तार हुआ है।

भारत सरकार के "मिशन इंद्रधनुष" जैसे सघन अभियानों के परिणामस्वरूप टीकाकरण कवरेज 90% से अधिक तक बढ़ गई है। तथापि, 100% टीकाकरण कवरेज हासिल करने के मार्ग में अनेक चुनौतियाँ बनी हुई हैं। कुछ क्षेत्रों और समुदायों में टीकाकरण के प्रति हिचकिचाहट से लेकर पलायन के कारण बीच में ही टीकाकरण छोड़ देने जैसे कई ऐसे कारण हैं जिनसे कुछ बच्चों का टीकाकरण आंशिक रूप से ही हो पाता है या बिल्कुल नहीं हो पाता। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत सरकार ने बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और हर बच्चे और गर्भवती महिला का टीकाकरण करने के मिशन के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता जताई है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने टीकाकरण कवरेज का अधिकतम विस्तार करने के लिए यू-विन (यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम-विन) नामक एक तकनीकी समाधान की परिकल्पना की है। यू-विन एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है जो पूरे

जालंधर ब्रीज

जगत प्रकाश नड्डा
(लेखक केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री हैं।)

भारत में सभी गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण की स्थिति को इलेक्ट्रॉनिक रूप से पंजीकृत और मॉनिटर करता है। यू-विन अनिवार्य रूप से एक नाम-आधारित रजिस्ट्री है, जो "कहीं भी, कभी भी टीकाकरण" की सुविधा प्रदान करती है। लोगों की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार किए गए इस प्लेटफ़ॉर्म पर टीकाकरण प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए इसमें कई विशेषताएं मौजूद हैं। गर्भवती महिलाएँ यू-विन ऐप या पोर्टल के ज़रिए खुद को पंजीकृत कर सकती हैं या पंजीकरण के लिए निकटतम टीकाकरण केंद्र में जा सकती हैं।

एक बार पंजीकृत होने के बाद स्वास्थ्य परिचर गर्भवती महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण टीकाकरण को ट्रैक कर सकते हैं, प्रसव के परिणामों को रिकॉर्ड कर सकते हैं, नवजात शिशु को पंजीकृत कर सकते हैं जिससे कि उनका भी टीकाकरण कार्यक्रम आरंभ किया जा सके। इस टीकाकरण-कार्यक्रम को कार्यक्रम प्रबंधक तब तक ट्रैक कर सकते हैं, जब तक कि बच्चा 16 वर्ष का न हो जाए। यू-विन से माता-पिता और अभिभावकों को काफी सुविधाएं मिलती हैं, जिनसे वे देश में कहीं भी टीकाकरण सेवाओं तक पहुँच सकते हैं और सिर्फ़ एक बटन क्लिक करके अपने बच्चों को सुरक्षित कर सकते हैं। इस प्लेटफ़ॉर्म पर अपॉइंटमेंट बुकिंग की सुविधा भी उपलब्ध है, जो प्रवासी कामगारों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है।

यू-विन 11 भाषाओं में उपलब्ध है, जिससे प्लेटफ़ॉर्म की पहुँच और अधिक व्यापक हो गई है। रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण इसकी एक अन्य प्रमुख विशेषता है। हर बार जब कोई सत्यापित लाभार्थी टीका लगवाता है, तो तत्समय डिजिटल टीकाकरण का रिकॉर्ड बन जाता है। लाभार्थियों को एक डिजिटल पावती और एक क्यूआर-आधारित प्रमाण-पत्र भी मिलता है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है और चलते-फिरते सत्यापन के लिए मोबाइल डिवाइस पर संग्रहित किया जा सकता है, जो विशेष रूप से स्कूल में प्रवेश और यात्रा के लिए उपयोगी होता है। इसके अलावा, प्लेटफ़ॉर्म आगामी टीकाकरण की खुराकों के लिए एसएमएस द्वारा सूचना और अनुस्मारक भेजता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि अभिभावक और स्वास्थ्य परिचर्याकर्मी खुराकों के बीच निर्धारित न्यूनतम अंतराल का पालन करें।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने ब्रिक - राष्ट्रीय कृषि-खाद्य जैव विनिर्माण संस्थान, मोहाली का उद्घाटन किया और राष्ट्र को समर्पित किया

• **जालंधर ब्रीज** . मोहाली / चंडीगढ़

कृषि जैव प्रौद्योगिकी और जैव प्रसंस्करण में भारत की अनुसंधान और विकास क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक कदम के रूप में, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बीआईआरऐसी- राष्ट्रीय कृषि-खाद्य जैव विनिर्माण संस्थान का उद्घाटन किया और इसे राष्ट्र को समर्पित किया (ब्रिक-एनएबीआई) का आज 28 अक्टूबर, 2024 को पंजाब के मोहाली में उद्घाटन किया जाएगा। इस प्रकार ब्रिक-एनएबीआई भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की 'बायोई3 (अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी) नीति के तहत पहला जैव विनिर्माण संस्थान बन गया है।

एनएबीआई और सीआईएबी की संयुक्त विशेषज्ञता कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मदद करेगी" नए संस्थान के बारे में बोलते हुए विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि ब्रिक-एनएबीआई की स्थापना से जैव प्रौद्योगिकीविदों और जैव प्रसंस्करण विशेषज्ञों के बीच सहयोग मजबूत होगा। "जब 6-7 साल पहले एनएबीआई और सीआईएबी के विलय का विचार सामने आया था, तो मुझे खुशी है कि डीबीटी ने 14 संस्थानों को एक छतरी के नीचे एकीकृत करने वाला पहला संस्थान बन गया है। आज, इस विलय के साथ, हम एक कदम और आगे बढ़ गए हैं।"

नए संस्थान की स्थापना राष्ट्रीय कृषि-खाद्य जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (एनएबीआई), मोहाली और सेंटर ऑफ इनोवेटिव एंड एप्लाइड बायोप्रोसेसिंग (सीआईएबी), मोहाली के बीच एक रणनीतिक विलय है, जो दोनों ही जैव प्रौद्योगिकी विभाग के तहत स्वायत्त संस्थान हैं। एनएबीआई और सीआईएबी की संयुक्त विशेषज्ञता उच्च उपज, बेहतर रोग प्रतिरोधक क्षमता और बेहतर पोषण सामग्री के साथ आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों जैसे नवाचारों के माध्यम से कृषि उत्पादकता को बढ़ाएगी। जबकि एनएबीआई के वैज्ञानिक आनुवंशिक बदलाव, प्रोटीन अभिव्यक्ति और मेटाबोलिक मार्गों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, सीआईएबी के जैव प्रसंस्करण विशेषज्ञ उत्पादन प्रक्रियाओं को अनुकूलित करते हैं, संचालन को बढ़ाते हैं और उत्पाद की गुणवत्ता और उपज सुनिश्चित करते हैं। एनएबीआई और सीआईएबी के ओवरलैपिंग जनादेश को देखते हुए, यह प्रस्ताव किया गया है कि दोनों संस्थानों को उनकी संयुक्त क्षमता को अधिकतम करने के लिए विलय कर दिया जाए।

"बायोई3 नीति विज्ञान और नवाचार पर सरकार द्वारा दिए गए जोर को उजागर करती है" मंत्री ने सभा को बताया कि यह एक संयोग है कि यह कार्यक्रम ऐसे समय में आयोजित किया जा रहा है जब भारत सरकार बायोई3 नीति लेकर आई है। "नीति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा विज्ञान और नवाचार पर दिए जा रहे जोर को दर्शाया गया है। अंतरिक्ष स्टार्टअप के लिए 1,000 करोड़ रुपये का आवंटन और मिशन मौसम सरकार द्वारा की गई दो अन्य पहल हैं, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र को सरकार द्वारा दी जा रही महत्ता और प्राथमिकता को रेखांकित करती हैं।" "बायोटेक क्षेत्र से हमारी अर्थव्यवस्था में बड़े पैमाने पर मूल्य संवर्धन होने जा रहा है" विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि भारत उन कुछ देशों में से है, जिनके पास बायोटेक क्षेत्र के लिए समर्पित नीति है। "बायोटेक क्षेत्र से हमारी अर्थव्यवस्था में बड़े पैमाने पर मूल्य संवर्धन होने जा रहा है, पर्यावरण अनुकूल समाधानों के माध्यम से। सिंथेटिक से प्राकृतिक पदार्थों की ओर अर्थव्यवस्था का संक्रमण भी बड़े पैमाने पर ब्रिक-एनएबीआई

द्वारा संचालित होगा।"

"ब्रिक-एनएबीआई सरकार की पर्यावरण, मेक इन इंडिया और किसानों की आय दोगुनी करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है"

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि नए संस्थान का उद्घाटन सही समय पर हो रहा है, क्योंकि भारत के विशाल संसाधनों का दोहन किया जाना बाकी है और दुनिया भारत के अनुभव से सीखने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चंद्रयान मिशन और जिस तरह से विभिन्न देश हमसे सीखने के लिए उत्सुक हैं, उससे यह बात साबित होती है। उन्होंने कहा कि नया संस्थान सरकार की प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का प्रतीक है, जिसमें पर्यावरण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता, किसानों की आय दोगुनी करने और मेक इन इंडिया पहल शामिल है। "नया संस्थान किसानों के लिए नए राजस्व स्रोत बनाकर, कृषि अपशिष्ट से मूल्यवर्धित उत्पाद विकसित करके और औद्योगिक सहयोग के माध्यम से रोजगार के अवसर पैदा करके 'किसानों की आय दोगुनी करने' के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है।"

ब्रिक-एनएबीआई का उद्देश्य आनुवंशिक बदलाव, मेटाबोलिक मार्गों और जैव विनिर्माण में अत्याधुनिक अनुसंधान का संचालन और प्रचार करना है, जिससे भारतीय कृषि क्षेत्र के लिए व्यावहारिक समाधान निकल सकें। इनमें जैवउर्वरक, जैवकीटनाशक और प्रसंस्कृत खाद्य सामग्री का विकास शामिल है, जो टिकाऊ खेती का समर्थन करने, फसल की पैदावार बढ़ाने और किसानों के लिए नए राजस्व स्रोत बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। अनुसंधान-उद्योग अंतर को पाटने, उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए बीआईआरऐसी बायोनेस्ट ब्रिक - एनएबीआई इनक्यूबेशन सेंटर का शुभारंभ इस अवसर पर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने ब्रिक-एनएबीआई परिसर में स्थित बीआईआरऐसी बायोनेस्ट ब्रिक - एनएबीआई इनक्यूबेशन सेंटर का भी उद्घाटन किया। बायोनेस्ट ब्रिक - एनएबीआई इनक्यूबेशन सेंटर कृषि और जैव प्रसंस्करण क्षेत्रों में उद्यमशीलता और नवाचार को बढ़ावा देकर अनुसंधान और उद्योग के बीच की खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मंत्री ने कहा कि केंद्र अनुसंधान और व्यावसायीकरण के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करेगा, जो अनुसंधान और विकास सुविधा में विकसित नवाचारों को बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए उद्योग भागीदारों के साथ जोड़ेगा।

बायोनेस्ट स्टार्टअप, किसानों और इनोवेटर्स के माध्यम से उद्यमशीलता को बढ़ावा देगा और नवाचार को बढ़ावा देगा, नए बाजार अवसर पैदा करेगा और कृषि उपज के मूल्य को बढ़ाएगा। यह युवाओं, महिलाओं और किसानों को कृषि, खाद्य, पोषण और जैव प्रसंस्करण पर केंद्रित स्टार्टअप शुरू करने में सहायता करेगा। यह सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के साथ मिलकर किसानों के उत्पादों के लिए मांग सृजन को सुगम बनाएगा और "मेक इन इंडिया" पहल के लक्ष्यों का समर्थन करेगा। केंद्र कृषि आधारित संस्थाओं के साथ भागीदारी करेगा और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए कृषक समुदायों, विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं के साथ जुड़ेगा।

"बायोटेक क्षेत्र की क्षमता को बेहतर ढंग से लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता है" मंत्री ने कहा कि भारत की वैज्ञानिक क्षमताएं अब दूसरों से पीछे नहीं हैं।

कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने रात्रि ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों के साथ दिवाली मनाई

सार्वजनिक सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का किया सम्मान

रात्रि ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया और उनकी समर्पित सेवा की सराहना की गई

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

स्वपन शर्मा आई.पी.एस, पुलिस आयुक्त, जालंधर की देखरेख में कमिश्नरेट पुलिस ने रात्रि ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों के साथ दिवाली का त्यौहार मनाया। स्वप्न शर्मा ने व्यक्तिगत रूप से दिवाली की शुभकामनाएं दीं और त्यौहार के दौरान उनकी कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के साथ जश्न मनाना : कमिश्नरेट जालंधर के वरिष्ठ अधिकारियों ने दिवाली की रात शहर भर में विभिन्न ड्यूटी चौकियों का दौरा किया और शहर को सुरक्षित रखने और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय रूप से लगे अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ जश्न मनाया।

मिठाई बांटी और त्यौहार की शुभकामनाएं : पुलिस अधिकारियों को सराहना के तौर पर मिठाई भेंट की गई। आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों ने व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक अधिकारी को दिवाली की शुभकामनाएं दीं और त्योहारों के मौसम में सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए उनके समर्पण को स्वीकार किया।

सेवा की मान्यता : अधिकारियों की कर्तव्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए प्रशंसा की गई, खासकर ऐसे समय में जब वे सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने परिवारों से दूर थे। श्री स्वपन शर्मा ने उनकी कड़ी मेहनत और तन्यकता को स्वीकार किया, जालंधर के नागरिकों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने में उनकी सेवा के महत्व को देखते हुए।

सतर्कता और सुरक्षा प्रयासों के लिए विशेष प्रशंसा : आयुक्त स्वप्न शर्मा ने सुरक्षा आवश्यकताओं के लिए टीम की सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना की, सार्वजनिक समारोहों और समारोहों के दौरान उनके द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जब सार्वजनिक समारोह अपने चरम पर होते हैं।

समर्थन और मनोबल बढ़ाने की प्रतिबद्धता : कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने अपने बल का समर्थन करने और उच्च मनोबल बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया, खासकर उच्च मांग वाले कर्तव्यों के दौरान। अधिकारियों को उनकी सेवा पर गर्व करने के लिए प्रोत्साहित किया गया और उनके प्रयासों के लिए निरंतर प्रशंसा का आश्वासन दिया गया।

कमिश्नरेट पुलिस जालंधर सभी अधिकारियों और नागरिकों को शुभकामनाएं देता है, तथा इस बात पर जोर देता है कि ड्यूटी पर तैनात पुलिस की प्रतिबद्धता और कर्तव्य सभी के लिए सुरक्षित और शांतिपूर्ण दिवाली उत्सव सुनिश्चित करते हैं।

लोगों को भ्रष्टाचार रोकने के बारे में किया जागरूक, पंफलेट व स्टीकर बांटे

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

एसएसपी विजिलेंस ब्यूरो रेंज जालंधर के निर्देशानुसार विजिलेंस ब्यूरो यूनिट कपूरथला 28/10/2024 से 03/11/2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रहा है। भ्रष्टाचार की रोकथाम के संबंध में 1 नवंबर को जतिंदरजीत सिंह डीएसपी विजिलेंस ब्यूरो, कपूरथला के नेतृत्व में विजिलेंस ब्यूरो, यूनिट कपूरथला की निगरानी में पुलिस स्टेशन कोतवाली कपूरथला, ऑफिस फायर बिग्रेड कपूरथला, कार्यालय नगर निगम कपूरथला, पुलिस के कर्मचारियों द्वारा थाना सिटी कपूरथला, सीआईए स्टाफ कपूरथला, कार्यालय पीओ स्टाफ कपूरथला में भ्रष्टाचार विरोधी जागरूकता के लिए पंफलेट/स्टीकर बांटे गए और पंफलेट बांटे गए। इसके अलावा आम लोगों को जागरूक करने के लिए शहीद भगत सिंह चौक मेन बाजार कपूरथला में आम जनता के बीच पंफलेट भी बांटे गए और आम लोगों को भ्रष्टाचार रोकने के बारे में जागरूक किया गया और पंफलेट में दिए गए टेलीफोन नंबरों पर संपर्क करने के लिए कहा गया।

इसके अलावा विजिलेंस ब्यूरो, यूनिट कपूरथला के कर्मचारियों ने सब-डिवीजन भुलत्थ, सब-डिवीजन सुल्तानपुर लोधी और सब-डिवीजन फगवाड़ा में अलग-अलग स्थानों पर आम जनता के बीच पंफलेट बांटे और आम लोगों को भ्रष्टाचार को रोकने के बारे में जागरूक किया। उन्होंने पंफलेट में दर्ज टेलीफोन नंबर पर संपर्क करने को कहा।

भारतीय सेना के विशेष बल की टुकड़ी संयुक्त अभ्यास 'गरुड़ शक्ति' के लिए इंडोनेशिया रवाना

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

भारत-इंडोनेशिया संयुक्त विशेष बल अभ्यास गरुड़ शक्ति 24 के 9 वें संस्करण में भाग लेने के लिए भारतीय सेना की 25 कर्मियों वाली एक टुकड़ी सिजानतुंग, जकार्ता, इंडोनेशिया के लिए रवाना हुई। इस अभ्यास का आयोजन 1 नवंबर से 12 नवंबर 2024 तक किया जाएगा। भारतीय दल का प्रतिनिधित्व पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) के सैनिक करेंगे, तथा इंडोनेशियाई दल का प्रतिनिधित्व इंडोनेशियाई विशेष बल कोपासस के 40 सैनिक कर रहे हैं।

अभ्यास गरुड़ शक्ति 24 का उद्देश्य दोनों पक्षों को एक-दूसरे की संचालन प्रक्रियाओं से परिचित कराना, दोनों सेनाओं के विशेष बलों के बीच आपसी समझ, सहयोग और अंतर-संचालन को बढ़ाना है। इस अभ्यास का उद्देश्य द्विपक्षीय सैन्य सहयोग विकसित करना और सामरिक सैन्य अभ्यासों के अभ्यास और चर्चाओं के माध्यम से दोनों सेनाओं के बीच संबंधों को मजबूत करना है। इस अभ्यास में विशेष अभियानों की योजना बनाना और उन्हें क्रियान्वित करना, विशेष बलों के कौशल को उन्नत करने के लिए उन्मुखीकरण, हथियार, उपकरण, नवाचारों, रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी साझा करना शामिल होगा। संयुक्त अभ्यास गरुड़ शक्ति 24 में जंगल के इलाकों में विशेष बलों के संचालन का संयुक्त अभ्यास, आतंकवादी शिविरों पर हमले और सैन्य सहयोग को प्रोत्साहन देने के लिए दोनों देशों की जीवनशैली और संस्कृति के बारे में जानकारी प्राप्त करने के अलावा बुनियादी और उन्नत विशेष बलों के कौशल को एकीकृत करने वाला एक सत्यापन अभ्यास भी शामिल होगा।

यह अभ्यास दोनों देशों की सेनाओं को अपने संबंधों को मजबूत करने और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने का अवसर प्रदान करेगा। यह साझा सुरक्षा उद्देश्यों को प्राप्त करने और दो मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को प्रोत्साहन देने के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करेगा।

पंजाब सरकार ने खाद की जमाखोरी करने वालों पर कसा शिकंजा

डीएपी और अन्य खादों की उचित उपलब्धता के लिए उड़ान दस्तों की पांच टीमें गठित

कृषि विभाग की गुणवत्ता नियंत्रण संबंधी मुहिम के तहत गलत ब्रांडिंग करने वाली 91 फॉर्म्स के लाइसेंस रद्द

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

किसानों को वित्तीय शोषण से बचाने और फसल की बेहतर पैदावार प्राप्त करने में उनकी सहायता करने के उद्देश्य से पंजाब के कृषि और किसान कल्याण विभाग ने रबी सीजन के लिए डीएपी और अन्य खादों, मानक बीजों और कीटनाशकों की निर्बाध और आवश्यक उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु उड़न दस्तों की पांच टीमें गठित की हैं।

पंजाब के कृषि और किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि ये टीमें खादों के अवैध भंडारण, कालाबाजारी और डीएपी सहित अन्य खादों के साथ अनावश्यक रसायनों की टैगिंग के खिलाफ कार्रवाई करेंगी। ये टीमें न केवल आपूर्ति की निगरानी करेंगी, बल्कि कृषि से संबंधित वस्तुओं की गुणवत्ता बनाए रखने हेतु नियमित जांच और सैंपलिंग के माध्यम से गुणवत्ता नियंत्रण भी सुनिश्चित करेंगी। उन्होंने बताया कि ये उड़न दस्ते खुदरा और थोक डीलरों के साथ-साथ बीज, खादऔर कीटनाशक निर्माण और विपणन इकाइयों का भी दौरा करेंगे ताकि मूल्य की निगरानी की जा सके।

कृषि विभाग द्वारा 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर, 2024 तक गुणवत्ता नियंत्रण संबंधी अभियान के आंकड़ों को साझा करते हुए कृषि मंत्री ने बताया कि विभाग ने कीटनाशकों के 2,063 नमूने लिए थे। इनकी जांच के बाद प्राप्त परिणामों के आधार पर गलत ब्रांडिंग करने वाली 43 फॉर्म्स के लाइसेंस रद्द किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, रासायनिक उर्वरकों के 1,751 नमूने, बायो खादों के 100 नमूने और जैविक खाद के 40 नमूने लिए गए। गलत ब्रांडिंग करने वाली 48 फॉर्म्स के लाइसेंस रद्द किए गए और उनके खिलाफ तीन एफआईआर दर्ज की गईं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की राज्य के किसानों की भलाई के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, श्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए एक टीम को बीजों, कीटनाशकों और खादों की बिक्री और आपूर्ति पर कड़ी नजर रखने के लिए चार से पांच जिलों का जिम्मा सौंपा गया है। ये टीमें किसानों के लिए कृषि वस्तुओं की मांग और आपूर्ति की भी निगरानी करेंगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी को भी किसानों का शोषण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और अवैध व्यापार में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

डीएपी खाद की कोई कमी नहीं, जालंधर जिले में 1015 टन उपलब्ध : डिप्टी कमिश्नर

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने आज कहा कि जिले में डी.ए.पी.रबी सीजन में गेहूं की बिजाई के लिए किसानों को उर्वरक एवं डी.ए.पी. खाद की कोई कमी को होने दी जाएगी, जिले में खाद की पर्याप्त सप्लाई लगातार हो रही है। डा.अग्रवाल ने बताया कि जिले में उपलब्ध 1015 टन डी.ए.पी. खाद की एक नवंबर तक 500 टन सहकारी समितियों और निजी फर्मों को 515 टन उर्वरक की पहुंच सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा गेहूं की बिजाई लिए डी.ए.पी. विकल्प के तौर पर अन्य फॉस्फेटिक उर्वरकों का भी उपयोग कर सकते है। उन्होंने कहा कि डी.ए.पी विकल्प के तौर पर कृषि विभाग पंजाब की सिफारिशों के अनुसार ट्रिपल सुपर फॉस्फेट, एन.पी.के., सिंगल सुपर फॉस्फेट उर्वरकों का भी उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ये सभी उर्वरक अच्छी फसल उपज और मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं।

उन्होंने कहा कि डी.ए.पी इसके स्थान पर जिले में ट्रिपल सुपर फास्फेट के तीन रैक आ चुके है। उन्होंने कहा कि सीजन की मांग के अनुरूप डी.ए.पी खाद की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, इसलिए किसानों को घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि इसके अलावा जिले में कृषि उर्वरकों की जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर कड़ी नजर रखी जा रही है और यदि कोई ऐसा करता पाया गया तो उसके विरुद्ध उचित कार्रवाई की जायेगी, जिसके लिए संबंधित अधिकारियों को पहले निर्देश जारी किए गए है।

कृषि अधिकारी डा. सुरजीत सिंह ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि डी.ए.पी ट्रिपल सुपर फॉस्फेट (0:46:0), एन.पी.के. 12:32:16, सिंगल सुपर फॉस्फेट एन.पी.के. 16:16:16 और एन.पी.के. 20:20:13 के विकल्प के रूप में खाद फसलों के लिए बहुत उपयोगी है और मिट्टी में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति करती है।

जिला स्तरीय टीम द्वारा खाद एवं कीटनाशक विक्रेताओं का निरीक्षण

खाद के भंडारण पर टैगिंग करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला/नडाला

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की जिला स्तरीय टीम ने भुलत्थ और नडाला में खाद एवं कीटनाशक विक्रेताओं का निरीक्षण किया ताकि जहां खाद की जमाखोरी और कालाबाजारी को सख्ती से रोका जा सके, वहीं किसानों के लिए खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. बलबीर चंद ने बताया कि डिप्टी कमिश्नर अमित कुमार पांचाल के दिशा-निर्देशानुसार कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों की जिला स्तरीय टीम का गठन किया गया है। इस टीम के इंचार्ज विशाल कौशल कृषि अधिकारी हैं जबकि टीम में गुरविंदर सिंह कृषि अधिकारी और गुरजोत सिंह कृषि विकास अधिकारी शामिल हैं। टीम द्वारा आज भुलत्थ और नडाला क्षेत्र में डीलरों की जांच की। डीलरों के स्टॉक रजिस्टर की भी समीक्षा की गई। डीलरों को निर्देश दिया गया कि वे खाद एवं कीटनाशकों के साथ किसी अन्य पदार्थ का टैग नहीं लगा सकते और न ही किसानों को आवश्यकतानुसार खाद या कीटनाशक खरीदने के अलावा अतिरिक्त सामान खरीदने के लिए बाध्य कर सकते हैं।

एनपीके और सुपर फॉस्फेट से फसल उर्वरक की कमी होगी दूर: मुख्य कृषि अधिकारी

बताया- डीएपी के तीसरे विकल्प के रूप में सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) का भी प्रयोग किया जा सकता है...

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की ओर से गेंहू की बुआई के लिए डी.ए.पी. के विकल्प के रूप में अन्य फॉस्फोरस युक्त उर्वरकों का उपयोग करने की अपील पर मुख्य कृषि अधिकारी दीपइंदर सिंह ने गेहूं की बुआई के लिए अन्य फॉस्फोरस तत्वों वाले उर्वरकों के उपयोग का सुझाव दिया।

मुख्य कृषि अधिकारी ने बताया कि डीएपी में 46% फॉस्फोरस और 18% नाइट्रोजन की मात्रा होती है, जो कि फसलों के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। डीएपी का एक प्रमुख विकल्प एनपीके 12:32:16 खाद हो सकता है, जिसमें 32% फॉस्फोरस, 12% नाइट्रोजन और 16% पोटाश की मात्रा होती है। डीएपी के एक बोरे के स्थान पर डेढ़ बोरा एनपीके 12:32:16 का उपयोग किया जा सकता है। यह विकल्प लगभग उतनी ही फॉस्फोरस और नाइट्रोजन की आपूर्ति करता है जितनी डीएपी करता है, साथ ही 23 किलोग्राम पोटाश भी प्रदान करता है। इसके अलावा, एनपीके 10:26:26 जैसे अन्य प्रकार के एनपीके खादों का भी विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

मुख्य कृषि अधिकारी ने बताया कि डीएपी के तीसरे विकल्प के रूप में सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) का भी प्रयोग किया जा सकता है। इसमें 16% फॉस्फोरस तत्व के साथ 18 किलोग्राम सल्फर होता है, जो गेहूं जैसी फसलों के लिए लाभकारी है। एसएसपी के तीन बोरे फॉस्फोरस की पूर्ति के साथ सल्फर की भी आपूर्ति करते हैं। ट्रिपल सुपर फॉस्फेट (टीएसपी) भी एक नया विकल्प है, जिसमें डीएपी के समान 46% फॉस्फोरस तत्व की मात्रा पाई जाती है। यह एक उच्च फॉस्फोरस खाद है और किसान इसे पहली बार आजमा सकते हैं।

दीप इंदर सिंह ने कहा कि यदि सिंगल सुपर फॉस्फेट या ट्रिपल सुपर फॉस्फेट का उपयोग किया जाता है, तो बुआई के समय प्रति एकड़ 20 किलोग्राम यूरिया का उपयोग करना भी आवश्यक है, ताकि फसल की नाइट्रोजन की आवश्यकता पूरी की जा सके। उन्होंने कहा कि यह जानकारी किसानों के लिए डीएपी की अनुपलब्धता की स्थिति में विकल्पों के रूप में उपयोगी साबित हो सकती है। उन्होंने सभी किसानों से अनुरोध किया कि वे इन सिफारिशों के अनुसार अपनी फसलों की उर्वरक आवश्यकता पूरी करें और अपनी भूमि की उर्वरता को बनाए रखें।

पहले दिन का खेल खत्म, भारत ने गंवाए चार विकेट; कोहली चार पर रनआउट

स्पोर्ट्स डेस्क. इंडिया वर्सेस न्यूजीलैंड तीन मैच की टेस्ट सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत ने शुक्रवार को तीसरे और आखिरी क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन न्यूजीलैंड को 235 रन पर आउट करने के बाद खराब शुरूआत की और स्टंप तक पहली पारी में 86 रन तक चार विकेट गंवा दिए। दिन का खेल समाप्त होने तक शुभमन गिल 31 और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। इससे पहले बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा ने 65 रन देकर पांच विकेट लिये जबकि आफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर ने 81 रन देकर चार विकेट चटकाए, जिससे न्यूजीलैंड टीम 65.4 ओवर में आउट हो गई। पहली पारी में कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर सस्ते में पवेलियन लौटे। रोहित एक बार कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ 18 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। यशस्वी जायसवाल 30 और सिराज बिना खाता खोले लौटे। विराट कोहली रनआउट होकर पवेलियन लौटे। कोहली 4 रन ही बना सके। तीसरे टेस्ट के पहले दिन का पहला सेशन भारत के नाम रहा। न्यूजीलैंड ने 3 विकेट के नुकसान पर 92 रन बनाए इन तीन में से दो सफलताएं वॉशिंगटन सुंदर को मिली तो एक विकेट आकाशदीप के नाम रहा। लंच ब्रेक के बाद विल यंग (71) को आउट कर रविंद्र जडेजा ने भारत कौ चौथी सफलता दिलाई।

45वें ओवर में ही जडेजा ने ब्लंडल का भी शिकार किया। जडेजा ने इसके बाद 53वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स को बोल्ड किया। टी-ब्रेक के बाद जडेजा ने अपने 20वें ओवर में ईश सोढ़ी और मैट हेनरी को पवेलियन का रास्ता दिखाया। इसके बाद 66वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने डैरिल मिचेल (82) को आउट कर न्यूजीलैंड को बड़ा झटका दिया। इसी ओवर में एजाज पटेल (7) वॉशिंगटन का चौथे शिकार बने। इसी के साथ न्यूजीलैंड की पहली पारी 65.4 ओवर में 235 पर सिमट गई।

सीएम मान ने भगवान विश्वकर्मा के प्रकाश उत्सव पर दी बधाई

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भगवान विश्वकर्मा के प्रकाश उत्सव के अवसर पर पंजाब के लोगों को बधाई दी है। विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि संपूर्ण ब्रह्मांड के रचेता भगवान विश्वकर्मा प्रयोग में लाई जा रही संपूर्ण मशीनरी और औजारों के विशेषज्ञ थे, जिन्हें सभी मशीनों के रचनहारे के रूप में माना जाता है। भगवान विश्वकर्मा द्वारा की गई रचना ने भारतीय दस्तकारों, कारीगरों और श्रमिकों में सच्ची और पवित्र मेहनत की भावना को जन्म दिया। भगवंत सिंह मान ने कारीगरों और श्रमिकों को हमारे राज्य और देश की बुनियादी संरचना को मजबूत करने के लिए अधिक मेहनत और समर्पण के साथ अपना अमूल्य योगदान देने का आह्वान किया, जो भगवान विश्वकर्मा को सच्ची और पवित्र श्रद्धांजलि होगी।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.